भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या : *12

उत्तर देने की तारीख : 03 फरवरी, 2020

गुजरात की लोक संस्कृति

***12. श्री मितेष (आनंद) पटेल (बकाभाई) :**

क्या **संस्कृति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गुजरात में संरक्षित की जा रही प्राचीन लोक संस्कृतियों तथा इसके लिए किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है तथा सरकार द्वारा किन योजनाओं के अंतर्गत उक्त उपाय किए गए हैं/किए जा रहे हैं;

(ख) उक्त लोक संस्कृतियां किन स्थानों से संबंधित हैं; और

(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान उक्त संरक्षित लोक संस्कृतियों के लिए कितनी निधि मंजूर/ आवंटित की गई है?

उत्तर

(श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

संस्कृति एवं पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(क) से (ग) : विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

दिनांक 03 फरवरी, 2020 को पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *12 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) और (ख) : भारत सरकार ने गुजरात सहित देश भर में प्राचीन लोक संस्कृति के परिरक्षण, संवर्धन और संरक्षण हेतु सात क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र (जेडसीसी) स्थापित किए हैं जिनके मुख्यालय पटियाला, नागपुर, उदयपुर, प्रयागराज, कोलकाता, दीमापुर और तंजावुर में स्थित हैं। गुजरात पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र (डब्ल्यूजेडसीसी), उदयपुर का सदस्य राज्य है। नियमित सांस्कृतिक कार्यक्रमों/कार्यकलापों के अलावा, ये जेडसीसी प्राचीन लोक संस्कृति के परिरक्षण के लिए निम्नलिखित स्कीमें कार्यान्वित करते हैं :

i. युवा प्रतिभाशाली कलाकारों को पुरस्कार
ii. गुरु-शिष्य परंपरा स्कीम
iii. रंगमंच नवीनीकरण स्कीम
iv. अनुसंधान एवं प्रलेखन स्कीम
v. शिल्पग्राम स्कीम
vi. ऑक्टेव
vii. राष्ट्रीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम

जहां तक गुजरात का संबंध है, गुरु-शिष्य परंपरा स्कीम के अंतर्गत परिरक्षण के लिए निम्नलिखित लोक कला रूपों की पहचान की गई है :

कला रूप	**स्थान**
बहुरूपी कला	हलोल
वामन माड़ी भावई	महेसाणा
पुतली कला	अहमदाबाद
लकड़ी पर लाह का काम	कच्छ
भावई लोक नाट्य	पाटन
सरनई वादन	पोरबंदर
पारंपरिक लोक गीत "मणिहारो"	पोरबंदर

इसके अलावा, निम्नलिखित लोक कला रूपों को ऑडियो/वीडियो/मुद्रित प्रारूप में प्रलेखित किया गया है :

1. मणिहारो रास, पोरबंदर

2. डांग दरबार, डांग
3. भवाई, मोनोग्राम
4. तुर्री बरौट, गांधीनगर
5. लोक दायिरो, भावनगर
6. वसंतोत्सव, गांधीनगर
7. चारोतर, आणंद के भित्तिचित्र
8. गुजरात के लोक नृत्य

(ग) : संस्कृति मंत्रालय सभी सात जेडसीसी को उनके सदस्यों राज्यों में लोक संस्कृति के संवर्धन और परिरक्षण के लिए वार्षिक सहायता अनुदान उपलब्ध कराता है। कोई राज्य/कला-वार निधियां आवंटित नहीं की जाती हैं। संस्कृति मंत्रालय द्वारा विगत तीन वर्षों के दौरान पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र (डब्ल्यूजेडसीसी) को आवंटित निधियां निम्नानुसार हैं :

वर्ष	**राशि (लाख में)**
2016-17	895.26 रु.
2017-18	784.12 रु.
2018-19	1130.00 रु.